बड़े लोगों का बचपन

डॉन ब्रैडमैन

महान क्रिकेटर

डॉन ब्रैडमैन का क्रिकेट करियर उनके पिछवाड़े में ही शुरू हुआ.

एक गर्मी के दिन एक छोटा ऑस्ट्रेलियाई लड़का एक पुरानी गोल्फ बॉल के साथ अपने पिछवाड़े में आलस्य से खेल रहा था. जैसे ही वो अपने पैरों को धूल में थपथपाता हुआ खड़ा हुआ, उसने गेंद को शेड की दीवार पर ज़ोर से फेंका और फिर उसे वापिस पकड़ लिया. खलिहान की तीन दीवारें और एक छत थी, और उसके अंदर एक गोल ईंट के स्टैंड पर पानी की एक टंकी खड़ी थी.

फिर उसने गेंद से स्टैंड को अपना निशाना बनाना शुरू किया. वो एक छोटा सा लक्ष्य था, लेकिन जल्द ही वो गेंद को आसानी से पकड़ रहा था, क्योंकि वो ईंट से टकराकर सीधे उसके पास वापिस आती थी. जब वो कैच करते-करते थक जाता, तो वो अपने द्वारा ही फेंकी हुई गेंद को एक लकड़ी के एक टुकड़े से मारना शुरू करता. वो लकड़ी के टुकड़े को एक क्रिकेट के बल्ले के रूप में इस्तेमाल करता था.

वो डॉन ब्रैडमैन की वन-मैन क्रिकेट टीम की शुरुआत थी. जब वो सलामी बल्लेबाज के रूप में आउट होता तो वे फिर से अंदर जाता, और इसी तरह, जब तक ब्रैडमैन बॉलर, ग्यारह ब्रैडमैन बैट्समैन को बोल्ड नहीं करता था.

अगली पारी में एक ब्रैडमैन गेंदबाज और दस फील्डर होते थे. वो यार्ड में गेंद को लकड़ी की एक रेलिंग पर जोर से फेंकता था. फिर गेंद टकराकर अनेकों मज़ेदार कोणों पर वापस आती थी कि उसे पकड़ने के लिए उसे गोता लगाना पड़ता था और इधर-उधर कूदना पड़ता था.

उसके बाद से जब भी उनके पास कोई खाली पल होता, तो वो खेलता था. वो बल्लेबाजी की शैली के बारे में ज्यादा नहीं जानता था लेकिन अपने पिछवाड़े में खेलकर उसने खुद को तेज और सटीक होना सिखाया था. गेंद को ऊपर की ओर उड़ने और कैच देने से रोकने के लिए उसने अपने घर के बने बल्ले को खास तरीके से पकड़कर रखा था. विश्व प्रसिद्ध होने के बाद भी ब्रैडमैन ने कभी अपनी पकड़ नहीं बदली और गेंद पर उसका इतना बढ़िया नियंत्रण था कि वो उसे मैदान में कहीं भी मार सकता था. दर्जनों मौकों पर, उन्होंने 300 रन बनाए क्योंकि कोई भी उन्हें आउट नहीं कर सकता था, न ही उन्हें कैच देने के लिए फंसा सकता था, न ही उन्हें रन आउट करने के लिए तेज़ी से फील्डिंग कर सकता था.

जब डॉन बोराल हाई-स्कूल में गए तो वो एक ऑलराउंड खिलाड़ी बन गए. उन्होंने स्कूल के लिए फुटबॉल और टेनिस खेला, और वो एक चैंपियन धावक बने. पहली बार जब वह क्रिकेट टीम के लिए खेले तो उन्होंने 115 रन बनाए. शनिवार को वो और उनका भाई अपने पिता और चाचा के साथ अपनी घरेलू क्रिकेट टीम, बोराल का समर्थन करने को गए थे. टीम में खेलने वाले एक अंकल ने डॉन को स्कोर रखने का काम सौंपा था.

एक दिन, जब वे अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, मॉस-वेले के खिलाफ खेल रहे थे, उस दिन एक खिलाड़ी नहीं आया. तब डॉन को एक एक्स्ट्रा के रूप में भेजा गया. जब वो मैदान में उतरा तो वो एक नेकर पहने था और उसके हाथ में एक बहुत बड़ा बल्ला था. दर्शक उसे देखकर अश्लील तरीके से चिल्लाए. हालांकि चिल्लाने वाले जल्द ही मूर्ख लगने लगे, क्योंकि डॉन लंबे समय तक टिका रहा और उसने 27 रन बनाए. अगले हफ्ते वे उसे पूरी पारी में लोग उसे आउट नहीं कर सके और उसने 29 रन बनाए.

जब डॉन 12 साल का था तो उसके पिता उसे सिडनी ले गए, जहां उसने 1920-21 के टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ खेलते हुए देखा. प्रथम श्रेणी क्रिकेट की उसकी वो पहली झलक थी और सिडनी के मैदान से बाहर निकलते ही डॉन ने खुद से एक वादा किया कि वो एक दिन वहां खेलने के लिए ज़रूर वापस आएगा. केवल आठ साल बाद वो उसी मैदान पर खेल रहा था.

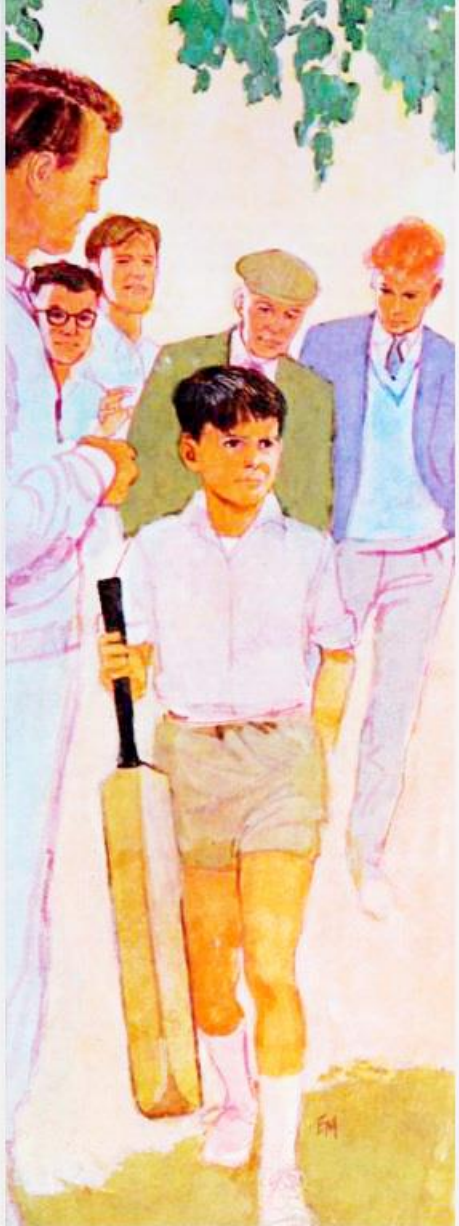

इस बीच, डॉन ने स्कूल छोड़ दिया और एक एस्टेट एजेंट के लिए काम किया. दो सीज़न के लिए उसने टेनिस खेला क्योंकि वो अभी भी बोराल क्रिकेट टीम के लिए बहुत छोटा था. लेकिन जब 17 साल की उम्र में उसने पहली बार बोराल क्रिकेट टीम के लिए खेला. फिर उसका नाम सुर्ख़ियों में छा गया.

अजीब बात यह है कि मॉस वेले में एक और मैच ने आधिकारियों का ध्यान डॉन की ओर आकर्षित किया. एक विशेष नियम था कि वो मैच ड्रा नहीं हो सकता था और डॉन अपने विकेट पर इतनी शिद्दत से जमा रहा कि खेल तीन शनिवार तक चलता रहा और उसके बाद ही विपक्षी टीम उसे आउट कर पाई. तीसरे दिन उसने अपना विकेट गंवा दिया लेकिन तब तक उसने 300 रन बना लिए थे और नया बल्ला जीत लिया था, जिसका उनकी मां ने उनसे वादा किया था अगर वो एक शतक बनाता!

उसके तुरंत बाद, डॉन को न्यू साउथ वेल्स टीम के लिए ट्रायल मैच खेलने के लिए सिडनी बुलाया गया. उसे पहली बार नहीं चुना गया था क्योंकि तब वो काफी खराब खेला था, लेकिन उसे अपने सामान्य फॉर्म में आने में ज्यादा समय नहीं लगा. डॉन राज्य के लिए खेला और 20 साल की उम्र में उसे अपने पहले टेस्ट मैच के लिए चुना गया.

बोराल का लड़का कभी भी एक सुंदर क्रिकेटर नहीं बना, लेकिन डोनाल्ड ब्रैडमैन (अब सर डोनाल्ड ब्रैडमैन) शायद सबसे दुनिया के सबसे महान क्रिकेट खिलाड़ी जरूर बना.

बाएं: डॉन को बोराल के लिए खेलने का पहला मौका मिला.

ऊपर: सर डोनाल्ड ब्रैडमैन महानतम खिलाड़ियों में से एक बने.